

West Bengal.

Sir, through you, I would urge upon and request the Union Government that the Government of West Bengal needs to be consulted regarding release of Teesta water to Bangladesh and also about the renewable clauses of the Indo-Bangladesh Farakka Treaty. These renewable clauses are very important. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ritabrata Banerjee: Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Smt. Mausam B Noor (West Bengal), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Ms. Dola Sen (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala) and Shri Saket Gokhale (West Bengal).

Now, Dr. Kalpana Saini -- Demand to Reserve Seats for Doctors on Flights to Help Tackle Emergency Situations.

Demand to reserve seats for Doctors on flights to help tackle emergency situations

डा. कल्पना सैनी (उत्तराखण्ड): उपसभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आज सदन के समक्ष एक अत्यंत आवश्यक विषय प्रस्तुत करना चाहती हूं। पिछले एक दशक में माननीय प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विमानन क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं। 'उड़ान योजना (उड़े देश का आम नागरिक)' के तहत छोटे शहरों से भी हवाई यात्रा को किफायती और सहज बनाया गया है। महोदय, इस प्रगति के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है तथा उड़ान के दौरान उत्पन्न होने वाली चिकित्सीय आपात स्थितियों के लिए हमारी तैयारी को और मजबूत करने की आवश्यकता है। मैं सदन के माध्यम से यह सुझाव रखना चाहती हूं कि हर उड़ान में कम से कम एक सीट किसी योग्य चिकित्सक के लिए आरक्षित की जाए, जो आपात स्थितियों में सहायता देने के लिए तैयार हो।

महोदय, हवाई यात्रा के दौरान कई बार ऐसे आपातकालीन चिकित्सीय हालात उत्पन्न हो जाते हैं, जहाँ पर त्वरित और विशेषज्ञ उपचार की आवश्यकता होती है। इसमें प्रसव जैसे आपात मामले, हृदयाघात, श्वसन संबंधी जटिलताएं, रक्तचाप संबंधी गंभीर समस्याएं और अन्य आकस्मिक चिकित्सीय स्थितियाँ शामिल हैं। महोदय, प्रत्येक उड़ान में कम से कम एक सीट योग्य डाक्टर के लिए आरक्षित की जाए, जिसे रियायती दर पर या प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा सकता है। यदि उड़ान से एक निश्चित समय पहले यह सीट बुक न हो, तो इसे अन्य यात्रियों के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे एयरलाइन्स को कोई आर्थिक नुकसान न हो। इसके अलावा सभी विमानों में उन्नत मेडिकल किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की अनिवार्यता, उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। हर वर्ष उड़ान के दौरान हजारों यात्रियों को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में डॉक्टर

की उपस्थिति किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करेगी। यह पहल यात्रियों में सुरक्षा और विश्वास की भावना उत्पन्न करेगी, जिससे वे निश्चित होकर यात्रा कर सकेंगे। इसके साथ ही डॉक्टर्स की मौजूदगी से एयरलाइन्स की विश्वसनीयता और सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी, जिससे हवाई यात्रा और अधिक सहज और आकर्षक बन सकेगी।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से सरकार से निवेदन करती हूँ कि वह इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करे, ताकि भारतीय विमानन क्षेत्र यात्रियों के लिए और अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बन सके। उपसभापति जी, मुझे सदन में अपनी बात रखने का अवसर देने के लिए आपका पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Kalpana Saini: Shri Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shri Ravi Chandra Vaddiraju (Telangana), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Smt. S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Smt. Darshana Singh (Uttar Pradesh), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Baburam Nishad (Uttar Pradesh) and Shri Tiruchi Siva (Tamil Nadu).

Dr. Fauzia Khan, “Need to address the challenges faced by women officers in India's security forces.”

Need to address the challenges faced by women officers in India's security forces

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, after the tragic stampede at the New Delhi Railway Station on 15th February, a photo went viral showing a woman RPF constable patrolling the station with her one year old child strapped to her chest. While glorified by the RPF as a symbol of *Nari Shakti*, I believe, the photo actually highlights the systemic challenges faced by women personnel in security forces and the failure of the system to provide basic support to working mothers. This is no sign of empowerment but of the need for institutional reforms to support working mothers in uniform. Women in security forces already face significant challenges. The nature of security work directly clashes with consistent care that the young children need. What is needed is toilets, creches, baby care or breastfeeding rooms everywhere so that women can effectively manage both their professional and maternal